सीमा सन्देश
केकड़ी, बयाना, कुचामन सिटी, लोसल, पिलानी

बताई संगीत की बारीकियां

शिशु विहार में स्पीकमैके कार्यक्रम

मनमोहक प्रस्तुतियों से कलाकारों ने मोहा मन

पिलानी। शिशु विहार परिसर में सोमवार को बीईटी पिलानी के निर्देशक मेजर जनरल एसएस नायर के मुख्य अतिथ्य में स्पीकमैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्व ख्याति प्राप्त शास्त्रीय गायन के कलाकार प्रशांत मल्लिक व निशांत मल्लिक एवं उनकी टीम के कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत के स्वरों में (ध्रुपद संगीत) की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुति दी। कलाकार प्रशांत मल्लिक व निशांत मल्लिक विदेशों मे भी अपनी प्रतिभा एवं कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। मृणाल उपाध्याय ने भी पखावज वाद्ययंत्र के साथ प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि मेजर जनरल एस.एस. नायर (रिटायर्ड) ने अपने सम्बोधन में भारतीय शास्त्रीय स्वर संगीत को संस्कृति के संवर्धन के लिए एक सोसायटी होना बताया, जो युवा प्रतिभा को मंच पर आने का और अपनी कला को प्रदर्शित करने का मौका देती है। प्रशांत मल्लिक व निशांत मल्लिक एवं उनकी टीम के कलाकारों ने संगीत की बारीकियों को समझाया तथा शास्त्रीय स्वर संगीत के बारे मे चर्चा की। युवा प्रतिभा को शास्त्रीय स्वर संगीत और हर प्रकार के संगीत के क्षेत्र में बढ़ने की बात कही। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कलाकारों को साधुवाद दिया।

कार्यक्रम के अंत में मेजर जनरल एस.एस. नायर (रिटायर्ड) एवं प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कर्नल शोभा वर्मा, श्रीमती हरप्रीत कौर, विजय शौकतअली जन संपर्क अधिकारी, डॉ. डालमिया एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति गोपाल शर्मा, विश्वनाथ भोमिया, श्रीमती उपस्थित थे।

राजस्थान पत्रिका . सीकर.मंगलवार . 16.01.2018

गूंजी ध्रुपद की सुर लहरियां

पिलानी, बिरला शिशु विहार स्कूल में प्रस्तुति देते कलाकार।

पिलानी@पत्रिका. बिरला शिशु विहार स्कूल में स्पीक मैके के पिलानी स्कंद की ओर से कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। विद्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ध्रुपद गायन शैली के ख्यात कलाकार पं. प्रशांत एवं पं. निशांत मल्लिक ने अपने परम्परागत शैली में ध्रुपद संगीत की प्रस्तुति दें कर माहौल में रंग भर दिया। इससे पहले कलाकारों ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को ध्रुपद शैली से जुड़ी जानकारी देते हुए ध्रुपद गायन शैली को संगीत की सबसे प्राचीन गायन शैली बताया। उन्होंने बताया कि ध्रुपद शैली मर्दाना गायन शैली है इस का गायन खुली आवाज में किया जाता है। उन्होंने बताया कि ध्रुपद शैली के खण्डुरी वाणी एवं दादुर वाणी दो प्रकार है। कलाकारों ने ध्रुपद शैली शैली में एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति दी तो श्रोता झूम उठे।गायकों ने अपने परम्परागत शैली में लकारियों के साथ पखाज पर जुगलबंदी पर जानदार प्रस्तुति दी। इससे पहले बिरला शिक्षण संस्थान निदेशक जनरल एसएस नायर ने स्पीक मैके संस्थान से जुड़ी जानकारी दी तथा इस के द्वारा कला के संरक्षणार्थ किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। विद्यालय प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी कर्लन शोकत अली,प्रशासनिक अधिकारी विजय डालमिया, प्राचार्य शोभा वर्मा एवं विश्वनाथ भौमिया विशिष्ठ अतिथि थे। संस्थान की ओर से कलाकारों को प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

दैनिक नवज्योति

बिरला शिशु विहार में स्पीक मैके का आयोजन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, पिलानी

बिरला शिशु विहार के प्रांगण में स्पीक मैके का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि मेजर जनरल एस.एस. नायर निदेशक बिरला एजुकेशन ट्रस्ट पिलानी थे। स्पीक मैके कार्यक्रम में प्रशांत मगिक और निशांत मगिक व उनकी टीम ने शास्त्रीय स्वर संगीत ध्रुपद संगीत की प्रस्तुति दी। मृणाल उपाध्याय ने भी पखावज वाद्ययंत्र के साथ अपनी प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि मेजर जनरल एस.एस. नायर ने बताया कि भारतीय शास्त्रीय स्वर संगीत एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए एक सोसायटी है जो युवा प्रतिभा को मंच पर आने का और अपनी कला को प्रदर्शित करने का मौका देती है। प्रशांत मगिक और निशांत मगिक व उनकी टीम ने शास्त्रीय स्वर संगीत के बारे में चर्चा की और युवा प्रतिभा को शास्त्रीय स्वर संगीत और हर प्रकार के संगीत के क्षेत्र में बढ़ने की बात कही। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में मेजर जनरल एस.एस. नायर एवं प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया और प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया। कार्यक्रम में कर्नल शोकत अली जन संपर्क अधिकारी, डॉ. गोपाल शर्मा, विश्वनाथ भोमिया, शोभा वर्मा, हरप्रीत कौर, विजय डालमिया एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

ध्रुपद गायक मल्लिक बंधुओं ने शास्त्रीय संगीत का समां बांधा

पिलानी | बिरला शिशु विहार में स्पिक मैके पिलानी चैप्टर के तत्वावधान में शास्त्रीय संगीत का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बीईटी निदेशक मेजर जनरल एसएस नायर थे। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध ध्रुपद गायक प्रशांत मल्लिक व निशांत मल्लिक ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मल्लिक बंधुओं ने स्टूडेंट्स को ध्रुपद गायकी के विभिन्न पहलुओं जानकारी दी। नायर व प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने कलाकारों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर बीईटी पीआरओ कर्नल शौकत अली, डॉ. गोपाल शर्मा, विश्वनाथ भोमिया, शोभा वर्मा, हरप्रीत कौर, विजय डालमिया सहित स्टाफ सदस्य व स्टूडेंट्स मौजूद थे।